ऊर्जा

26 मई 2018

— , , – , , , — : , , , , — , , : , , , — ,

"समृद्ध होते देश अपना पारिस्थितिकि पदचिह्न घटाते प्रतीत होते हैं, पर वास्तव में वे उसे दूसरे देशों को सरका रहे हैं। उपभोग जारी रखते हुए वे मलिन उत्पादन को बाहर निकाल देते हैं।"

1970 - — , , : , : , , , , , - — - — , , - - ; - - — , —

, İTÜ — 2.56 — , , - - : , — , - - : — - - - — - : , ,

- — , , "" , - — -, , , - — , - —

"जब बात मूर्त होती है, तब लोग सक्रिय होते हैं। अली-आग़ा के घर के बग़ल में ताप-संयंत्र बनेगा, यहाँ के लोग बीमार होंगे — वहीं से शुरुआत होती है। फिर तुम जलवायु-परिवर्तन तक पहुँच ही जाते हो।"

, - –– - 2008 - — - - , -, - (2015) - - — 2016 –– , — - — —

— "" : - , — - : - " , " — –– — ,

- —

"परमाणु ऊर्जा को हम अकेले नहीं देख सकते। हमें परमाणु-शृंखला के भीतर सोचना होगा। यूरेनियम के कच्चे माल के निष्कर्षण से बिजली के उत्पादन तक, और अंततः प्लूटोनियम तक — वह पदार्थ जिसका एक ग्राम 4000 डॉलर का है, सारी दुनिया को अपनी उँगली पर नचा रहा है।"

, , -, , — - 12 - , - ,

एक अर्थशास्त्री एवं संगठन-कार्यकर्ता दो वर्ष जापान में रही, 1999 के भूकम्प के समय हिरोशिमा शांति-उद्यान में थी। फुकुशिमा-आपदा (2011) ने उनका जीवन बदल दिया — तीन बार फुकुशिमा गईं, परमाणु-शोध की ओर मुड़ीं, येशिल गज़ेटे में लिखना आरम्भ किया। अब एक साथ डॉक्टरेट की छात्रा और दूसरी स्नातकोत्तर — समाजशास्त्र एवं नागरिक समाज पर — . के समन्वय का पूर्णकालिक संघर्ष। सिनोप, मेर्सिन, इग्नेआदा — तुर्की की परमाणु-संयंत्र-परियोजनाएँ, प्रत्येक एक अलग जोखिम-नक़्शा। काराकुशलार काला-सागर अभियान में हुसैन नामक व्यक्ति तीन माह तक एक हज़ार किलोमीटर चप्पू चलाता है, अपनी देह को राजनीतिक क्रिया में रूपांतरित करता है। यह सौंदर्य-राजनीतिक क्रिया का सबसे सरल रूप है: देह, संदेश, गति।

- — - , - — - -, -, - — -, — ,

- , - , - - — ,- — , ;

> "कला को मैं अपने जीवन में और अपने क्षेत्र में एक उपकरण की तरह उपयोग करती हूँ। तंत्र की आलोचना करते हुए उसी तंत्र की सेवा न करने के लिए सबसे पहले कचरा न बनाने को अपने जीवन में जीना आवश्यक था।"

- , —, , , - - -- — - , , — — - - — ; , ,

1985 में जन्मा, 2006 से और में साप्ताहिक स्तम्भ-कार्टून बनाता हुआ एक कार्टूनिस्ट — बारह वर्षों की अविरत दिनचर्या। साप्ताहिक कार्टून राजनीतिक एजेंडा, लोकप्रिय संस्कृति और शहर-निरीक्षणों को जोड़ता एक अभिलेखन-रूप है। जब यह दोहराया जाता है, हास्य-पत्रिका का स्तम्भ न रहकर एक प्रकार के इतिहास-वर्णन में, अभिलेखन-परियोजना में बदल जाता है। पंचांग, प्रदर्शनी, कैलेण्डर के प्रारूप — वर्तमान संग्रह बन जाता है, हास्य ऐतिहासिक दस्तावेज़ में परिणत हो जाता है।

: — "-" - — ,- , , - - (-) — — , , - — - — — ; , ,

, SVA - , — "" — ,- - — -

2007 - --: " " — — : , , - — ,

न्यूयॉर्क में " " आवास-कार्यक्रम में बिस्तर के भीतर सेम उगाने के लिए बोतल से जल-बूँद-व्यवस्था की जाती है — प्रकृति का सूक्ष्म संतुलन इतना संवेदनशील है। हमारा हस्तक्षेप अत्यंत स्थूल और त्रुटिपूर्ण है। पुरातत्त्व, भूविज्ञान, मेसोपोटामिया — गोबेकली टेपे से प्रारम्भिक बीज़ान्तीन तक — पानी के नीचे डूब गए स्थान, जनसंख्या के स्थानांतरण, मितव्ययिता और चक्रीयता। भौगोलिक स्केल बड़ा होने पर स्थानीय और वैश्विक के बीच की सीमा धुँधली पड़ जाती है। "पुनः-चक्र" वार्ता-शृंखला — अली अल्पर के तारों के चक्रों से लेकर पारिस्थितिक चक्रों तक — विभिन्न अनुशासनों को एक साथ लाती है। चेरयान — एक साथ विद्युत्-धारा, जल-प्रवाह और अप्रत्याशित घटना — शब्द स्वयं ही परियोजना का सार है। कपास-खेतों से जलमग्न प्राचीन नगरों तक, जनसंख्या-स्थानांतरण से बाँध-निर्माण तक — प्रत्येक उसी चक्र के भिन्न क्षण। बच्चों तक पहुँचना, अपने किए की पहुँच को देखना — यह एक ऐसा ज्ञान है जो जेब में रहता है, शब्दों में नहीं ढलता, पर काम करता है।

, , - — 2002 - , 10 - 2004 — 2012 - , -, — , , , ,

> "संगमरमर की खदानों में तुम जिस पर्वत को देखते हो, उसका कंकाल देखते हो — मेरा बहुत मन दुखता है। पर मुझे चित्र की भाषा खोजनी ही है।"

बीते भूदृश्य और वर्तमान की दरार के बीच की दूरी ही कैनवस का प्रश्न है। " " शृंखला: कृत्रिम प्रकृति, ऊर्ध्वाधर उद्यान, कंक्रीटीकृत क्षेत्र — लाखों पेड़ कटे जा रहे हैं, हम कुछ गमलों से स्वयं को छल रहे हैं। यह कृत्रिम-हरित-शृंगार स्वार्थपूर्ण समाधान हैं।

? — ? — - , , — ? — —

> "यदि ऊर्जा के चारों ओर बिल्कुल अलग लोग आते — नौकरशाह, राजनीतिक दलों के सदस्य, निवेशक — तो विकास के तर्क से प्रहार करते, राष्ट्रीय सम्प्रभुता के तर्क से प्रहार करते। पर हमने उसी विषय पर चक्रों की बात करके, मनुष्य द्वारा प्रकृति पर स्थापित वर्चस्व की बात करके, एक वैकल्पिक शब्द रच दिया है।"

— -"-" "-", ,

- — ,- — "" , , , — ; , - ;- , ,

— -, ,-, , ,-, — (, , , ,), - : , , ,-,-,-,- - , ,- -, , -, , — , — , ,- — ,

— - — , , — - — , , , — - , , , — , , , " "